Vol. No. 151

Ahimsa Foundation

March, 2013

in

The Only Jain E-Magazine Community Service for 13th Continuous Years

World Over + 1 Lakh Readership

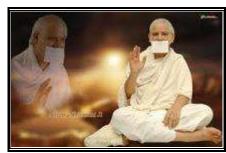
"There is nothing wonderful in my saying that Jainism was in existence long before the Vedas were composed."

Dr. S. Radhakrishnan

JAIN SAINTS

ACHARYA DR. SHIV MUNIJI TO BE OPERATED IN DELHI

Swetamber Sthankwasi Sect Acharyashri Dr. Shiv Muniji Maharaj is being operated on 27-02-2013 at Pentamid Hospital, Derawala Nagar, Delhi for backbone problems. The operation will be conducted by a special team of doctors from Pune.



It may be recalled that, Acharyashri was suffering from backbone pain for quite some time and the doctors have advised him to get the ailment operated at the earliest. Accordingly, Acharyashri moved to Delhi from Punjab. He has also announced to hold 2013 Chaturmas in Ashok Vihar, Delhi.

"During this down time, our thoughts and prayers are with you.

May your hospital stay be only short!! Wishing you a complete and restful recovery".

-Ahimsa Foundation-

TORONTO'S JAINS TO BUILD NEW JAIN TEMPLE COMPLEX

Toronto: Jain Society of Toronto Inc. announced recently that it will build a new Cultural Centre and Shikharbandhi Temple. Located in a mega retail zone, over four acres of prime land it will be a centre of excellence and inspiration for the Jain youth and generations to come.



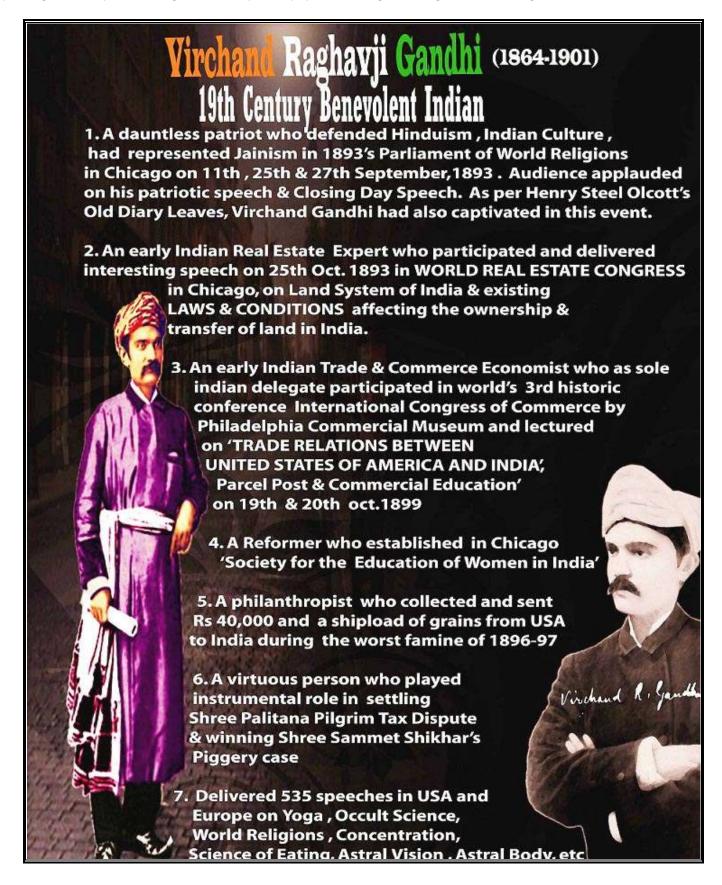
A unique double ghabara Shikarbandhi Temple has been fashioned to be home to both Digambar and Swetambar Jains. Carvings and idols will be carefully custom crafted in India and make their journey to Toronto. Located tastefully below the ghabaras is the pride and treasure of Jain artifacts and history. Chronicling the many stages and various idols, the Jain Museum is likely to attract tourists from all over the world. The cultural centre will be spread over 48,000 square feet with a dining hall fit to serve 500 people at one time. Education being a spinal core of Jainism, this site will host up to 8 classrooms for pathshala, discussion and workshops. The Upashreya will host a unique sub-sect of Jains as they worship and discuss Jain

philosophy together and on a regular basis. This discussion leads to fruitful and deep understanding of the holy scriptures. Our Seniors will enjoy intimate company in a thoughtful Seniors' Lounge. Equipped with special needs, comfort seating and learning tools this Lounge is a haven for Senior's to pass their time. A well appointed and highly regarded Jain Library will protect and share the scriptures, dialogues and writings that promote Jain knowledge, history and philosophy. The entire building is supported by 24 key pillars, each being named after one of twenty four thirthankars. Source: Yashwant Malaiya, E-Mail: ymalaiya@yahoo.com

DR. LOKESH MUNI TO ORGANISE SHRI VIRCHAND RADHAVJI CELEBRATIONS

To celebrate 150th Birth Anniversary of Shri Vir Chand Raghav Ji Gandhi a program will be organized in India's Parliament House Premises in the auspicious presence of Acharya Dr. Lokesh Muni and distinguished guests. It is also a

matter of pleasure that Sh. Jai Prakash Agarwal, Chairman, House Committee Lok Sabha and Member of Parliament (Lok Sabha) has accepted the Chairmanship of Shri Virchand Raghav 150th Birth Anniversary Celebration Committee. Source: Vishwa Bharti. Founder: Acharya Dr. Lokesh Muni. www.ahimsavishwabharti.org, Ahimsa E-Mail: munilokeshindia@yahoo.co.in M: 91-9313833222, 91-11-25732317. To know more about click this link www.speakingtree.in/spiritual-blogs/seekers/philosophy/virchand-gandhi-a-gandhi-before-gandhi



MAHAMASTAKABHISHEK OF BAHUBALI HELD AT JAIN TEMPLE, SHIRLALU



Karkal, 19 Feb 2013: Thousands of devotees witnessed Mahamastakabhishek, rituals during Panchakalyanotsav held at Bahubali Basadi located at Siddagiri in Shirlalu village near here, on February 18.

Swami Lalitakeerti of Jain mutt, Karkal; Swami Bhattaraka Charukeerti of Jain mutt, Moodbidri; Akhil Bharat Jain Milan executive president D. Surendra Kumar and others were present at the occasion. The magic show, skits, folk singing, folk dances that was held to enthrall the viewers, besides two-hour attractive display of fireworks held at the occasion. The Mahamastakabhishek Committee Executive President Rajendra Kumar,

President Ratna Varma Poovani, Chief Secretary Professor Gunapal Kadamba Shirlalu organised the religious celebrations.

HOYSALA JAIN TREASURES NEED GOVERNMENT SUPPORT

Feb 11, 2013, Hassan: The Archaeology Department's treasure finds of the Hoysala period near Halebeedu may be lost if the Government does not support the excavation. According to an archeologist, "Halebeedu has many monuments of Jain temples built by the Hoysalas but most of them are lying buried. Some have been detected and need to be excavated, but the ASI is not getting enough support nor funds. Monuments belong to the Jain temple and 12th century Hoysala empire. These monuments need protection as these are among some of the rarest finds".

RARE JAIN SYMBOLS UNEARTHED

Feb 11, 2013, Chengalpet: A rare Jain rock bed with rock carvings of 'Yantras' was excavated on top of Mottamalai in Narapakkam village near Chengalpet recently. A yantra is an abstract diagram of symbolic geometric forms which is used as a meditation aid. While searching for ancient monuments, S Jeeva Kumar, a priest in the Jain temple in Thirukazhukundram, found this 1500-year-old bed surrounded by shrubs in the hill. He immediately informed some Jain scholars, who after studying the yantras, said the place was once a centre of Jains. The bed here is a primitive one. The yantras found in Narapakkam are similar to those seen in many Jain hillocks of Tamil Nadu, particularly in Kurathimalai near Onampakkam and Thiruppanmalai near Arcot. The symbols look similar to the 'Vardamana Vidya' yantra which is used in Jain rituals.



गुजरात सरकार, जैन समाज को गुजरात हाई कोर्ट के आर्डर होने के बाबजूद गिरनार पर्वत पर सुरक्षा न देने की दोषी और इस मुकदमे में लापरवाही बरतने हेतु भारतवर्षीय दिग. जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के पदाधिकारीओं से स्पष्टीकरण का अनुरोध - संजय जैन - बंधुओं - गिरनार पर्वत, शिखर जी के बाद एक महत्पूर्ण सिद्ध क्षेत्र है। गिरनार पर्वत पर जैन समाज के स्वतंत्र रूप से पूजा करने और जैन समाज की पर्वत पर सुरक्षा हेतु गुजरात हाई कोर्ट में बांदीलालजी दिगम्बर जैन कारखाना, गिरनार

द्वारा मुकदमा दायर किया गया था। इस मुकदमे को वर्ष 2005 में तीर्थ क्षेत्र कमिटी ने अपने हाथ में ले लिया था। गुजरात हाई कोर्ट ने इस मुकदमे में 17 फरबरी 2005 को निम्न आदेश दिए थे:-

- 1. जिलाधिकारी 17 फरबरी 2005 से चार हफ्ते के अन्दर गिरनार पर्वत की चौथी और पांचवी टोंक के बीच में चेक पोस्ट बनायेंगे जिससे पांचवी टोंक पर आने - जाने की समुचित व्यवस्था हो सकें और इस चेक पोस्ट पर उचित पुलिस फोर्स लगायी जाएँ।
- 2. यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा चाहे वो नेमिनाथ का या दत्तात्रेय का मानने वाला हो या अन्य हो, के द्वारा किसी भी प्रकार की शिकायत दर्ज करायी जाती है तो वह शिकायत 12 घंटें के अन्दर जिला पुलिस सुपरिन्टेन्डेन्ट को भेजी जाये और शिकायत पर कानून के अनुसार कार्यवाही हों।

3. कोर्ट द्वारा तीन सदस्य कमेटी का गठन किया गया जिसमे गुजरात सरकार के डिप्टी सेक्रेटरी, पुरातत्व विभाग और जिलाधिकारी को लिया गया, इस कमिटी को 17 अगस्त 2005 तक गिरनार पर्वत की पांचवी टोंक पर जैन धर्म और दत्तात्रय को मानने वालें दोनों उचित प्रकार से अपने - अपने स्थान पर या पसंद के स्थान पर पूजा कर सकें, इस विषय में अपनी रिपोर्ट देनी है। परन्तु जूनागढ़ के जिलाधिकारी द्वारा गिरनार पर्वत पर 17 मार्च 2005 से आज तक भी उचित पुलिस फोर्स की व्यवस्था नहीं की गयी और न ही उपरोक्त कमिटी द्वारा 17 अगस्त 2005 से आज तक कोई रिपोर्ट कोर्ट को दी गयी, जिससे कोर्ट अपना कोई निर्णय लेती।

बंध्ओं, निम्न विषयों को ध्यान से पढ़ें :-

- 1. कोर्ट द्वारा जब 17 फरबरी 2005 को जिलाधिकारी को एक महीने के अन्दर टोंक पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने को कहा गया था तो एक महीने बाद जिलाधिकारी द्वारा कोर्ट के आर्डर का पालन न करने पर तीर्थ क्षेत्र कमिटी द्वारा कोर्ट को सूचित क्यों नहीं किया गया? साढ़े सात साल बाद 28 दिसम्बर 2012 को यह कार्यबाही क्यों की गयी?
- 2. कोर्ट ने जब 17 अगस्त 2005 तक का समय कोर्ट द्वारा नियुक्त किमटी को दिया था तो इस कमेटी द्वारा समय पर रिपोर्ट न दिए जाने पर तीर्थ क्षेत्र किमटी द्वारा कोर्ट अवमानना का मुकदमा क्यों नहीं दायर किया गया। साढ़े सात साल बाद 28 दिसम्बर 2012 को यह कार्यबाही क्यों की गयी।
- 3. यह मुकदमा यह मानकर किया गया की गिरनार पर्वत की टोंक / पर्वत पर जैन समाज का कोई मालिकाना अधिकार नहीं है, जैन समाज को पूजा के अधिकार सुरक्षा के साथ चाहियें, जबिक जानकारी के अनुसार गिरनार पर्वत जैन समाज का है। मुकदमें के अनुसार गिरनार की पांचवी टोंक पर स्थापित की गयी दत्तात्रेय की मूर्ति और अवैध निर्माण को हटाया जाये क्युकी यह टोंक पुरातत्व विभाग के अंतर्गत आती है, न कि यह जैन समाज का सिद्ध क्षेत्र है।
- 4. तीर्थ क्षेत्र किमटी ने अपने मुकदमें में लिखा कि यिद कोर्ट दत्तात्रेय की मूर्ति और अवैध निर्माण को हटाना स्वीकार नहीं करती है तो कोर्ट जैन समाज के टोंक पर सुरक्षित तरीके से पूजा करने की व्यवस्था कराये। जबिक तीर्थ क्षेत्र कमेटी और महासभा के अध्यक्ष द्वारा जैन समाज की सभाओं में यह बताया जाता है कि कोर्ट ने मूर्ति हटाने के आदेश दे दिए है, सरकार पालन नहीं कर रही है।
- 5. कोर्ट ने पॉइंट न. 8 पर लिखा कि यह जगह गुजरात पुरातत्व अधिसूचना के अंतर्गत 'गुरु दत्तात्रेय टुंक' नाम से अंकित है और यदि जैन याचिकाकर्ता मूर्ति और चरण चिन्हों को भगवान Neminath के होने का दावा करता है तो इस विषय में उचित जानकारी हेत् जाच-पड़ताल करायी जाएँ, इसका अर्थ तीर्थ क्षेत्र कमिटी ने ऐसा कोई दावा पेश ही नहीं किया।
- 6. कोर्ट ने पॉइंट न. 10 पर लिखा कि जैन याचिकाकर्ता ने यह याचिका इसलिए लगाई है कि सरकार द्वारा संरक्षित इस पुरातत्व महत्व के स्मारक की देख-रेख ठीक प्रकार से नहीं की जा रही है, इसीलिए भगवान दत्तात्रेय और निर्माण को हटाने सम्बन्धी निर्देश देने उचित नहीं होंगे।

आखिर क्यों?:-

1. तीर्थ-क्षेत्र कमिटी ने जैन धर्म के अति-प्राचीन सिद्ध क्षेत्र गिरनार पर्वत होने से सम्बंधित सबूतों आदि का समावेश मुकदमे में ठीक प्रकार से क्यों नहीं किया?, क्युकी जहा तक जानकारी है दत्तात्रेय से सम्बंधित कोई भी प्राचीन शिलालेख या मूर्ति गिरनार पर्वत से प्राप्त नहीं हुई है, जबकि गिरनार पर्वत के जैन धर्म से सम्बंधित कई प्राचीन शिलालेख सरकारी रूप से उपलब्ध है।

- 2. सुरक्षा सम्बन्धी कोर्ट के आदेशों का जिलाधिकारी द्वारा सख्ती से पालन न करने पर अवमानना का मुकदमा क्यों 2005 में दायर नहीं किया गया?
- 3. कोर्ट ने पॉइंट न. 6 पर लिखा कि पुरातत्व विभाग ने माना कि टोंक पर दत्तात्रेय की मूर्ति पहले थी लेकिन अब केवल मूर्ति को बदला गया है और केवल कुछ परिवर्तनों के साथ निर्माण की अनुमित दी गयी। (कभी ऐसा होता है क्यांकि पुरातत्व महत्व के स्मारक में पूजा करने हेतु मूर्ति को बदला जाता है, नए निर्माण कि स्वीकृति दी जाती है।)

यदि गुजरात सरकार के सम्बंधित विभाग और हमारी तीर्थ-क्षेत्र कमिटी समय रहते बिना लापरवाही के कदम उठा लेती तो शायद जो आज गिरनार पर्वत पर जैन संतो और जैन समाज के साथ दुर्व्यवहार और जानलेवा हमले न होते.. समय रहते सुप्रीम कोर्ट में अपील क्यों नहीं दायर की गयी?

हम अपनी तीर्थ क्षेत्र कमिटी से विनती करते है कि तीर्थ-क्षेत्र कमिटी इस विषय में अपना स्पष्टीकरण दे?

विशेषः-

जुलाई 2007 में अखिल भारतीय दिग. जैन परिषद् द्वारा अपनी 'वीर' पत्रिका के पेज न. 4 पर गिरनार जी पर विधव्न्शक प्रवृति से निबटने और चल रही क़ानूनी लड़ाई हेतु ''श्री गिरनारजी तीर्थ राष्ट्र स्तरीय एक्शन किमटी'' का गठन किया था और इस विषय में मुक्त हस्त से दान देने की अपील की थी। कृपया परिषद् भी जानकारी दे कि इस किमटी में कौन लोग है और अब तक क्या कार्यवाही की गयी? यदि आपको ऊपर लिखे किसी भी शब्द से आपित है तो मै आपसे क्षमा मांगता हू.. परन्तु कुछ लोगो की लापरवाही से सारे विश्व के जैन समाज की आस्था के केंद्र गिरनार पर्वत को लुटते नहीं देखा जा सकता। प्रयास करना सबका काम है, सफलता / असफलता बाद का विषय है। तीर्थों / संतो / समाज का संरक्षण सर्वप्रथम आवश्यक है। संजय जैन मो. 09312278313, E-Mail: vishwajains@yahoo.com

AKHIL JAIN BAGS TOP HONOUR FOR SOCIAL SECTOR PROJECT

Mumbai January 24, 2013, Ask a business school student to solve a village's waste management problem and what do you get? A financially viable and sustainable development model for rural India. The idea by Akhil Jain a final year student at the Department of Management Studies, Indian Institute of Technology, Roorkee bagged the first place at the Business Standard Best B-School Project Award held in Mumbai. Akhil Jain, under the Gramotthan (uplifting a village) initiative, worked in Padli Gurjar village near Roorkee in Uttarakhand and helped 75 households manage their three kg average weekly waste effectively by segregating it into recyclable and non-recyclable, at source. "Waste is accumulating in the villages faster than ever, posing health and environmental issues. Worse, there is almost no plan and willingness to tackle the issue," said Jain. To make this idea successful and attractive, Jain plans to rope in the gram panchayat, create large garbage-collecting containers and provide door-to-door service with a self-designed Gramotthan trash compacter. Besides, waste collectors and rag-pickers in the supply chain will be incentivised. "The big upside of this project is that it is at the heart of the sustainability issue," said the chairman of the five-member jury, Ajit Balakrishnan, founder and CMD of Rediff.com.

GOVERNMENT SCHOLARSHIPS TO MINORITY COMMUNITIES

Did you know?? That the respective State Commissions for Minorities, announce scholarships for students from Minority Communities about this time of the year. Therefore, All Jain students are advised to lookup the websites of their respective State Commission for Minorities for announcements. Ensure: That your school leaving certificate carries 'Religion- Jain'!!! or you have an affidavit stating the same. Source: Bharatiya Jain Sanghatana, Website: www.bjsindia.org Sandeep Mahajan E- Mail: smahajan@bjsindia.org





DR. MONA JAIN HONORED BY UNITED NEGRO COLLEGE FUND - anuary 26, 2013, SARASOTA - Dr. Mona Jain was presented a "Founding Member Award" for her involvement with the United Negro College Fund for nearly 30 years. Dr. Mona Jain, who was born in India is also on the Florida Commission on the Status of Women. According to Dr. Mona Jain "When you have your education, no one can steal it. I feel wonderful about the United Negro College Fund. We have made great strides over the years, but we always need more."

MANIKYA KEERTHIJI TO BE SONDA'S NEXT BHATTARAKHA

Shravanabelagola (Hassan District, Karnataka), January 16, 2013: Vichara Patta Kshullakha Sri Manikya Keerthiji will be the next Bhattarakha of Sri Bhattakalanka Peetha of Sri Digambar Jain Mutt, Sonda (also called as Swadi in Uttara Kannada District, Karnataka).



It can be recalled here that His Holiness Swasti Sri Bhattakalanka Bhattaraka Swamiji of Sonda Jain Mutt had passed away on September 21, 2012 at Sonda & the search was on to find a suitable person to this coveted seat.

This was announced formally at a function held at Shravanabelagola by His Holiness Swasti Sri Charukeerthi Bhattaraka Swamiji the Pontiff of Shravanabelagola Jain Mutt. During the function Sri Manikswamy Sumathinath Halli was initiated into the ascetic hood when he was given the Vichara Pattakshullaka Diksha by Sri Charukeerthi Swamiji as per the Digambar Jain tradition & was renamed as Sri Manikya Keerthi. The function was held in the premises of Bhandari Basadi at Shravanabelagola. On January 15th evening Sri Manikyaswamy was given a rousing welcome to Shravanabelagola. This was followed by the diksha programme on January 16th. His Holiness Swasti Sri Dhavalkeerthi Bhattarakha Swamiji, pontiff of Sri Kshetra Arihantagiri Jain Mutt & His Holiness Swasti Sri Bhanukeerthi Bhattaraka Swamiji, pontiff of Sri Kshetra Kambadahalli Jain Mutt were also present on the occasion.

Profile of Sri Manikswamy Sumathinath Halli - Sri Manikya Swamy aged around 29 years hails from the Akkialur village of Hangal taluk in Haveri district in the state of Karnataka. He comes from a religious backgroun family, his parents are Late Sumathinath G Halli & Smt Sushila Sumathihalli. Late Muni 108 Sri Shambhavanandiji Maharaj happens to be his uncle. Sri Manikya Swamy completed his primary education at Akki Aluru & secondary education at Sri Bhujabali Brhamacharya Ashram, Karkala. Later he completed his high school at Sri Gommateshwara Vidyapeetha Brahmacharya Ashrama, Shravanabelagola. He has completed the 'Uttama Certification' in Manikya Keerthiji to be Sonda's next Bhattarakha. Source: www.jainheritagecentres.com

PIYUSH JAIN TO HEAD MEDIA INTELLIGENCE UNIT OF COMNISCIENT GROUP



12 February 2013, Mumbai: Comniscient Group, a non-advertising communications company, has appointed Piyush Jain to the position of Chief Executive Officer of Bluebytes News, a media intelligence and insight unit that helps brands improve communication performance and build reputation. Piyush Jain has been associated with Bluebytes in the capacity of Business Head since 2007 and has helped the media research and analysis firm to grow. Speaking on the appointment, Comniscient Group CEO N. Chandramouli said, "The Comniscient Group is built on entrepreneurial values and Piyush has a good combination of a healthy risk appetite with professional balance. Under his leadership, Bluebytes will be bringing out innovative products and services that will make life for the communication industry simpler." Speaking on his appointment, Piyush Jain said, "The media research, monitoring and analysis industry in India has seen growth in double digits since the past five years and Blue Bytes News has been consistently outperforming the industry growth. Bluebytes is an

innovation leader and in my new role as CEO, I intend to sharpen our ability to listen to the market and thus keep providing solutions that make life easy of our users. Piyush Jain is a B.E (Chemical) and has a Masters in Marketing Management from NMIMS. He has a unique mix of experience from manufacturing as well as service sector and has spent majority time in leadership roles managing sales, marketing and new product development.

PROF. SUDHIR KUMAR JAIN APPOINTED VICE CHANCELLOR OF SMVDU

Jammu: Jan 24: Prof Sudhir K. Jain, presently Professor and former Head of the Department of Management Studies, Indian Institute of Technology, Delhi, has been appointed as the new Vice Chancellor of the Shri Mata Vaishno Devi University, Katra.



Prof. Jain, born at Dholpur in 1951, did his B Sc from Rajasthan University, Jaipur, in 1970, M A (Economics) from Rajasthan University, Jaipur in 1972 and Ph D (Applied Economics/Econometrics) from IIT, Kanpur in 1979. Prof Jain has served as a Lecturer, Assistant Professor, Associate Professor and Professor, IIT Delhi, from March 1985 onwards. He had also served as Assistant Professor, ISEC, Bangalore, from February 1980 to February 1985 and as Assistant Director, ICSSR, from June 1979 to February 1980. He has held several administrative positions during his career which include Chairman, IPR Cell, IIT Delhi, (from 2003 onwards), Chairman, Economics & Entrepreneurship Group, DMS, IIT and Coordinator, Inter-Disciplinary Entrepreneurship Programme, IIT, Delhi. He has also served as Executive

Director of the National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development, Noida, under the Ministry of MSME.

Prof Jain is a Life Member of the All India Management Association, Indian Society for Training & Development, Indian Economic Association, the Indian Econometric Society and the Indian Association for the Study of Population. He has remained Member of the MHRD Expert Committee on WTO Matters (2001-05); National Entrepreneurship Policy Committee, Ministry of MSME (2002), National IPR Education Policy Committee, Ministry of HRD (1997) and Advisory Committee, EDC Scheme, Ministry of S&T (1998-2004). He has also remained a Visiting Professor of the Mongolian Technical University, Ulaanbaatar, Mongolia (1996) and North Eastern Hill University, Shillong (1997).

The research areas of Prof Jain have been Applied/Managerial Economics, Entrepreneurship Management and Intellectual Property Rights. His 120 research papers have been published in the reputed international and national journals as well as presented at various conferences. He has co-authored a book with Prof H C Petersen and Prof W C Lewis, titled "Managerial Economics", which was published by Pearson Education in 2006 and co-edited another book titled "Productivity & Quality: Multi-disciplinary Perspective" with Prof Anuradha Sharma, Prof V Upadhyay and Dr Seema Sharma which was published by Tata McGraw Hill in 2005. Prof. Jain has supervised 19 PhD programmes; 150 dissertations for M Tech/MBA, completed 20 research/consultancy projects and organized 40 training programmes and 10 conferences. He is a recipient of many awards and honours.

AHIMSA & VEGETARIANISM

Petition by Anita Roy, New Delhi.

STOP WEST BENGAL OFFICIALS FROM PROMOTING COW SLAUGHTER, VIOLATING SUPREME COURT JUDGMENT- This is an urgent petition, requesting the Government of West Bengal (Paschim Banga), India to take strong action against the errant Officers-in-Charge of Usthi Police Station, Joynagar Police Station and Falta Police Station (all in South 24 Parganas district), who are Promoting Cow Slaughter (to pander to extremist elements) and are thereby openly violating the Honorable Kolkata High Court's Judgment (dated 2 Nov 2011 and 13 Oct 2011) and Honourable Indian Supreme Court's Judgment.

We urge the Honourable Home Secretary Mr. Basudeb Banerjee (IAS) to investigate the atrocities being committed by the aforementioned police officers on those tens of thousands of villagers who refuse to kowtow to their dictatorial, unlawful demands that they support and make arrangements for slaughtering of cows on Bakr Eid (which falls on October 27, 2012 - during Durga Puja festival). We urge the Honourable Home Secretary to ensure 100% enforcement of anti-cow slaughter Judgments of the Honourable Kolkata HC and Supreme Court of India. We also urge the West Bengal Administration to stop the official repression of the state's ancient and vibrant Durga Puja by revoking the ban on the Divine Mother's immersion on October 26 and 27, 2012. We would like to respectfully remind the administration that banning the centuries' old indigenous Bengali tradition of Durga Puja immersion (in order to appease a violent, alien, Arabian creed of Bakr Id) is tantamount to turning Bengal (or what is left of it) into another East Pakistan.

To read text of the petition and sign please click the following link. www.change.org/petitions/stop-west-bengal-officials-from-promoting-cow-slaughter-violating-supreme-court-judgement-suppressing-durga-puja-festival.

NEW BOOKS

THE VEGAN KITCHEN: BOLLYWOOD STYLE BY ANURADHA SAWHNEY

Vegan Recipes from 50 Leading Bollywood Stars, Published in 2012, 23 x 16 cm 264 pages in 4 colours, Deluxe Paperback Edition Rs. 495, A vegan diet makes sense not only from the moral and ethical viewpoint, but also from the health and fitness viewpoint. If you wish to lead a healthful and active life learn how to prepare delicious foods with less fat, less oil and no cholesterol reverse certain forms of cancer be safe from heart disease and adult diabetes lose weight Then this is the right book for you. The Vegan Kitchen: Bollywood Style! is one of the first cookery books that caters to the burgeoning acceptance of veganism in India. It brings together recipes from no less than 50 leading names from the world of Bollywood, fashion and music. Thespian Dilip Kumar, beautiful Saira Bano, talented Anupam Kher, bad man Gulshan Grover, gorgeous Hema Malini, hunky John Abraham, maverick genius Mahesh Bhatt, sizzling Sonakshi Sinha and stunning Yana Gupta are a few of the Bollywood celebrities who have given their favourite vegan recipes in this book.

Appetising photos and tips on how to run a vegan kitchen ensure that the book will find a place on any shelf. The book features forewords from two world renowned doctors and India's leading fitness trainer. These explain how a nutritious vegan diet can help reverse heart disease, manage diabetes, reduce obesity and promote fitness; this book is a total mix of taste, glamour and health. Anuradha Sawhney is the award winning former head of PETA India, and has been instrumental in winning several large campaigns for animals. She was listed among the top 50 most powerful women in India by Femina magazine. She lives in Pune with her husband and seven rescued cats and runs a vegan tiffin service called 'Back to Basics'. To purchase the book mail at: Jainbooks@aol.com

'अहिंसा दर्शन: एक अनुचिंतन' - डॉ. अनेकांत कुमार जैन की नयी कृति 'अहिंसा दर्शन: एक अनुचिंतन' विश्व शान्ति और अहिंसा पर लिखी गयी तमाम पुस्तकों में से अलग इस दृष्टि से है क्यूँ कि यह उन सभी पुस्तकों के निष्कर्षों तथा लेखक के मौलिक चिंतन और अनुसंधान का ऐसा मेल है जो हमें उन अनुभूतियों में ले जाता है जो प्राचीन तथा अर्वाचीन आचार्यों द्वारा प्रसूत हुई हैं। यह किताब सहजता के साथ हमें आज की मौजूदा समस्यायों और परिस्थितियों में अहिंसक होने की प्रेरणा देकर तार्किक तथा प्रायोगिक रूप से उसका समाधान बताने की एक सार्थक पहल भी करती है। पुस्तक में लेखक ने किसी किस्म के दुराग्रह से मुक्त होने की पूरी कोशिश की है किन्तु वे सत्याग्रह पर अडिग दिखाई देते हैंअहिंसा का सत्याग्रह।



यद्यपि लेखक संस्कृत/प्राकृत के श्लोक/गाथा आदि के उद्धरण के कारण प्राचीन अवधारणाओं से पूर्णतः जुड़े दिखाई देते हैं और अहिंसा जैसे शाश्वत मूल्यों की प्रतिष्ठा वे सभी धर्मों तथा अधिकांश समकालीन चिंतकों के माध्यम से करते हैं फिर भी हमें यह कहना पड़ेगा कि लेखक ने वर्तमान की अनदेखी नहीं की है और अहिंसा के नाम पर फैली भ्रांतियों को दूर करने का जबरजस्त प्रयास बहुत विनम्र शब्दों में किया है। यही कारण है कि पाठक के दिल तक पहुँच कर उन्हें अपने समर्थन में खड़ा कर पाने की कोशिश में वे बहुत हद तक सफल दिखाई दे रहे हैं। विषय को क्रम बद्ध तरीके से प्रस्तुत करके पहले पूरी अवधारणा स्पष्ट की है फिर विभिन्न धर्मों तथा चिंतकों के विचारों को प्रामाणिक तरह से रखा है। जैन धर्म की

अवधारणा को बहुत संजीदकी के साथ रखा है ,आध्यात्मिक अहिंसा को जिन अलफाजों में सावधानी के साथ बताया है वह हर एक के बस का नहीं है। इस अध्याय को सावधानी से पढ़ने की जरूरत है। लेखक के शास्त्रीय ज्ञान और उसकी अभिव्यक्ति की पूरी सामर्थ्य इस अध्याय में मुखरित होकर सामने आई है। हिंसा के समर्थन में जो कृतर्क दिए जाते हैं उनका सामना भी लेखक

ने किया है। लेखक डॉ अनेकान्त कुमार जैन, प्रकाशक-श्रीलालबहाद्रशास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, मानव संसाधन विकास मंत्रलायाधीन मानितविश्वविद्यालय, कटवारियासराय, नई दिल्ली -११००१६, मूल्य - १६०/-मात्र

MUSLIM GUIDE INTAJ MALEK HELPS NIRANJAN MUNIJI TO GET PHDS



Ahmedabad : NiranjanMuni (52) completed his thesis on 'Austerities in Jainism and Other Religions: A Comparative Study under the guidance of Intaj Malek. He is a proud quide under whose quidance two Jain monks have completed their doctoral theses. A year ago, Chintan Muni (45) completed his doctoral thesis on 'Bhavna Shata Treatise on 12 Reflections of Jainism by Shatavdhani Ratnachandraji Maharaj'. With the two saints completing their PhDs, Intaj Malek can now rest a while as he had also turned into a nomad, moving from one place to another, keeping pace with his two students, who have to keep travelling as part of their vihaar. According to Malek, he travelled to Kutch, Rajkot, Limbdi and a host of other places to ensure Niranjan Muni's thesis progressed well and to keep guiding him. An exhaustive comparison has

been made between the tap or austerity measures undertaken in different religions including Jainism, Hinduism, Islam, Christianity. Until they met Malek, the Jain munis of Sthanakvasi Jain Ajramar Sampraday were finding it difficult to register as PhD students with Gujarat University and to find a guide. The two munis have bachelor's and master's degrees from Jain Vishva Bharati University in Ladnun, Rajasthan.



ACHARYA MAHASHRAMAN

TWO MORE JAIN TEMPLES TARGETED FOR BURGLING IN AHMEDABAD

Jan 29, 2013, Ahmedabad: In yet another case of theft in temples, thieves burgled Jain Derasar in Shahibaug of two silver crowns and ornaments worth Rs 5,71,000. Priest of the temple, Lalsinh Rathod, has lodged a complaint in the matter with Shahibaug Police Station. Rathod found locks of derasar complex broken and three temples on the premises broken into, revealed primary investigations. According to police, they suspect involvement of an insider. Also, it is clearly a case of negligence by the priest. This burglary is 16th such incidence of burglary in temples of the city. In another similar theft, valuables worth Rs 8,65,000 was reported from Jain Shwetambar Temple of Vikas Group in Paldi . Trustee of the temple, Bharat Zaveri, lodged a complaint with Ellisbridge Police Station. The two main priests of the temple Ranjit and Ashwin are missing since January 1. The valuables were locked in a cupboard that was checked once in two months. This time, the cupboard was checked on January 21 after realising that the priests haven't come to temple for three weeks now.

THIEVES STEAL FROM JAIN TEMPLE IN INDORE

Jan 31, 2013, Indore: Unidentified thieves struck at a Jain temple in Annapurna area and decamped with four donation boxes containing cash. The theft occurred at Adinath Jain temple in Sudama Nagar.



When a caretaker of the temple Devendra Jain reached there around 5.30 am, he found the door open. When Jain entered the temple, he found that four donation boxes kept inside were missing. He immediately raised an alarm and soon police was also informed. During preliminary investigation police recovered a broken and empty donation box near the temple but the thieves fled with a big box as they could not open it, police said. A large number of members of Jain community and residents of the locality gathered on the spot and alleged lackadaisical patrolling by cops as the main reason behind soaring incidents of thefts in the area. It may be noted that after posh localities of Palasia police station area, various colonies in Annapurna area have become a hotspot for burglars and thieves and earlier only houses were targeted but for past few months thieves are targeting temples.

THREE JAIN SCULPTURES FROM BANDORA SHIFTED TO GOA STATE MUSEUM

Feb 14, 2013, Keri: Three Jain archaeological and heritage sculptures, lying in neglect at Bandora in Marcaim constituency, were shifted to the state museum in Panaji. Sources said the move was in the wake of a telephonic intervention from the Dhavalikar brothers who are the local MLAs. Visiting Bandora, Mangesh Sardeshpande, senior officer, state archives and archaeology department, inspected the Jain bast and with members of two Jain groups, had an idol and two floral-patterned sculptures shifted. According to community members, the mutilated Jain Tirthankar idol is a remnant of the rich Jain archaeological heritage and history associated with this site. There is an urgent need to conserve and protect the area from encroachments. Though the Goa government has notified the Jain basti as a protected area, nothing concrete has been done to keep the site from encroachments. Members of the Bharat Varshiya Digambar Jain Heritage Preservation Mahasabha are "grateful to the Goa government for the permission given to shift the sculptures from Bandora to the state museum". Chandrakant Bhoje Patil of the group said, "We have handed over the sculptures to museum director Radha Bhave and we are in the process of establishing a special gallery at the museum to exhibit Goa's rich Jain heritage."

CBI SEARCHES RESIDENCE OF HARYANA MINISTER O. P. JAIN

Chandigarh, Wed Feb 20 2013, CBI teams raided the residences of former Haryana Transport Minister O. P. Jain in connection with the murder of Karam Singh former Sarpanch of Kambopura village in Karnal. He has been accused of accepting bribe from Karam Singh for getting his relatives government jobs and subsequently playing a role in his murder. CBI teams searched Jain's residences at Sector 7 in Chandigarh and Panipat's Model Town.

प्राकृत भाषा जानें अब ऑन लाइन - डॉ अनेकान्त कुमार जैन

प्राकृत भाषा भारत की एक प्राचीन और समृद्ध भाषा है, लाखों प्राचीन साहित्य इस भाषा में लिखा गया, हमारी लगभग सभी भारतीय भाषाएं प्राकृत से उत्पन्न हुई हैं.अशोक के अभिलेख भी इस भाषा में हैं.िकन्तु आश्वर्य की बात है कि हम भारत की इस भाषा से अपरिचित जैसे ही हैं, हम इस भाषा को सीखें ...सीख नहीं सकते तो कम से कम इसका परिचय तो कर लें ...मैंने ऑन लाइन फेस बुक पेज के माध्यम से कुछ जानकारियां तथा परिचय देने की शुरुआत की है। यदि आप फेसबुक पर हैं तो अपने कंप्यूटर पर टाइप करें



www.facebook.com/pages/Prakrit-Language-and-Literature/376483559110083?ref=hl यिद्र इस के पेज को खोल कर दाहिने तरफ के Like बटन को आप दबा दें तो आप तक इसके updates पहुँच सकते हैं और आप भारत की इस प्राचीन और महत्वपूर्ण भाषा से रूबरू हो सकते हैं। इसके अलावा प्राकृत भाषा का एक ब्लॉग भी मैंने कंप्यूटर पर बनाया है जिसमें प्राकृत भाषा से सम्बंधित लेख आप पढ़ सकते हैं उसका ऑन लाइन पता है www.prakritlanguage.blogspot.in यही नहीं प्राकृत भाषा की एक बेबसाईट भी बनाने का प्रयास किया है जहाँ आप अधिक जानकारियां प्राप्तकर सकते हैं उसका पता है www.prakritlanguage.webstarts.com प्राकृत भाषा के जानकार लोग बहुत कम हैं,

हम नहीं चाहते कि सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में भी लोग प्राकृत भाषा से अनजान रह जाएँ और जैन आगमों की यह भाषा मर जाये। आगम यदि जीवित रखने हैं तो उससे पहले उसकी भाषा भी जीवित रखनी होगी अन्यथा हम सबकुछ खो देंगे। मेरा उद्देश्य है कि सोशल मीडिया के माध्यम से तथा अन्य अनेक माध्यमों से हर व्यक्ति इस भाषा के वैभव को समझे। यदि आपके पास प्राकृत की कोई जानकारी जैसे प्राकृत सेमीनार / संगोष्ठी / व्याख्यान / कार्यशाला / डिप्लोमा / प्रकाशन / लेख / शोधलेख / पुरूस्कार / सम्मान / या अन्य सूचना हो तो कृपया उसकी सॉफ्ट कॉपी मुझे ईमेल से anekant76@yahoo.co.in पर भेज दें मैं वेबदुनिया पर उसे आपके नाम से निःशुल्क प्रकाशित कर दूँगा। यदि आप इस भाषा के जानकार हैं तो आप अपना संक्षिस बायोडाटा अंग्रेजी में भेज दें मैं उसे ऑनलाइन प्रकाशित कर दूँगा तािक जिज्ञासु आपसे संपर्क कर सकें। आप सभी का सहयोग अपेक्षित है।

DR. ANEKANT KUMAR JAIN, Deptt.of Jainphilosophy, Sri Lalbahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, Deemed University Under Ministry of HRD, Qutab Institutional Area, New Delhi-110016 Contacts- E-Mail: anekant76@yahoo.co.in, Phone no. 09711397716.

BADAL LAYS FOUNDATION STONE OF AMAR JAIN AUDITORIUM IN CHANDIGARH

CHANDIGARH: The Punjab Chief Minister Parkash Singh Badal today laid the foundation of a state-of-the-art auditorium in the compound of Amar Jain Hostel here in sector 27 this morning.



Addressing the ceremonial function on this occasion in the graceful presence of Suman Muni, Vishal Muni, Tarik Rishi and Subash Muni Maharaj besides hundreds of Sadhus & Sadhvies across the country, Badal said that he had always enjoyed the blessings of the saints of Jain community. He also lauded the efforts of the 'SS Jain Mahan Sabha' for constructing a three-storied Modern Building of Amar Jain Hostel in a record time to facilitate the young students from far-flung areas for pursuing their higher studies especially in the religious fields. Expressing the need to develop the national character through inculcating the spirit of nationalism and patriotism amongst youth today, Badal said that the State Government had embarked upon an ambitious programme to setup Jang-e-Azaadi Memorial at Kartarpur near Jalandhar over an area of 40 acres at a cost of Rs.

200 crore to show case the supreme sacrifices made by the Punjabis in the National freedom struggle besides a War

Memorial as a mark of respect to the Punjabi solders who had sacrificed their lives in zealously guarding the borders of our Country. The Chief Minister also announced a grant of Rs. 21 lac for the upcoming state-of-the-art auditorium. On the occasion, the President of SS Jain Mahan Sabha Rakesh Jain, Former MP Sat Pal Jain, Mapinder Jain, Narinder Jain and other members of the Jain Sabha honoured the Chief Minister by presenting a memento.



DIPAK JAIN STEPPING DOWN AS DEAN OF INSEAD DUE TO HEALTH ISSUES - Dipak Jain, the dean of the French business school INSEAD and former longtime leader at Northwestern University's Kellogg School of Management, is stepping down as dean following a period of ill health. After eight years at the helm of Kellogg, where he was a popular figure among students and faculty, Dipak Jain took over as INSEAD's dean in 2011. He has also served as an adviser to the Prime Minister of Thailand and other companies and as a consultant to Microsoft, Novartis, American Express etc. During his tenure at Kellogg, the school ceded its No. 1 spot in the Bloomberg Businessweek ranking of full-time MBA programs.

REGISTRATION FOR COMMON ENTRANCE TEST OF JATF (JITO)



DIKSHA

FIRST JAIN GIRL IN VELLORE TO SEEK DIKSHA

VELLORE 27th February 2013 09:47 AM, Vellore will witness the first ever celebration of a 23-year-old Vellorean spiritual aspirant, Reshma Jain, embracing nun-hood. Clad in ceremonial bridal attire, perhaps for the first and last time in her life, the B Com graduate from local Auxilium College, announced her desire to become a Jain Muni at a press conference here. Born and brought up in Vellore, she is the first girl to become a monk and the Jain community in the city is planning to celebrate the occasion in a grand manner.



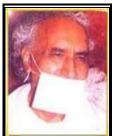
Her parents Chandulal and Nirmalabai, who were jewellers and textile merchants, said their daughter had chosen to give her life to God. We are sure she will be happy, blessed by God. Reshma has started receiving rigorous training from her gurus Sadhwi Bhavyagunasri and Divyapragyaji to transform herself into a nun. On March 2, she would receive diksha from Archaya Sri Jenortham Surishwarji, the supreme pontiff of the Jain community. After initiation her name would be changed and she would practice celibacy for the rest of her life. Ramesh Vora, one of the organisers of the event, said on March 1, Reshma would be taken in a procession in the morning around the city when she will throw away jewels and clothing, symbolising 'varshidhan' -- an act of sacrificing worldly pleasures. Members of the community

would collect the things thrown by Reshma and would accompany her. The procession would also witness dancing and singing by members of the community. Later, saints would conduct special prayers for her well being. At night, there would be an emotional ceremony when family members would bid farewell to the daughter who is leaving the family. The next day, Reshma would seek the blessings of the elders and saints. Then the diksha ceremony would be performed when the hair on Reshma's head would be plucked manually. Reshma would then change into white attire and, after being blessed by the saints present, would formally join the community of saints.

FIRST DIKSHA PROGRAMME IN TRICHY

Trichy: In a religiously significant event, two Jain girls - Pooja Lodha, 25 and Kumnaji Surana, 27 have taken 'diksha', in Trichy on February 1. Though the girls hail from Narayanpur in Chhattisgarh, they chose Trichy for the ceremony as their pontiff Acharya Ramlalji Maharaj is at present travelling through the southern part of India. Maharajshri, who is in Thanjavur came to Trichy to conduct the ceremony. Pooja attained the desire for renunciation of the mundane life when she was 20, but then her father Premchand Lodha, 50, a textile businessman did not accept the idea. Both the girls, attired in their best bridal wear, were taken in a procession from the hall to Kalaignar Arivalayam on winding through all the important streets. The other girl, Kumnaji was joined by her parents and 70 relatives. As many as 375 sadhvis and 49 saints attended the grand religious function. This is the first time such a religious ceremony is taking place in Trichy and to honour the occasion, one of the marriage hall owners in the city came forward to give his place, free of charge to the Jain community for four days, said Anil Jain, one of the members of the 250 Jain families that have chosen Trichy their home.

DEVLOK GAMAN AMAR MUNI FROM SWETAMBER STHANAKWASI SECT



Feb 15, 2013, Ludhiana: The last rites of the Jain spiritual leader Amar Munijee, who had breathed his last at Ludhiana were performed at Lord Mahavir Homeopathic College and Hospital in presence of a large number of members of Jain community from across the country. He was not keeping well for quite some time and was on dialysis for the last two years. All India Jain Conference representative, Hira Lal Jain said Amar Muniji was born in 1936 and taken to the path of spirituality in his childhood days. He had formed over 100 public welfare institutions that are working for the cause of humanity. He gave Deeksha (initiation) to more than 108 disciples into Jainism during his lifetime. He was a saint in the real sense. Despite being on dialysis, there was no sign of pain on his face that was always illuminated with

energy. Even in his last moments, he never uttered a word to say that he was in pain. A congregation comprising people of Jain community joined to pay homage to the departed soul.

JAIN CALENDAR FOR THE MONTH OF MARCH 2013 VIR SAMVAT 2539 JAIN CALENDAR VIKRAM SAMVAT 2069

MAHA - MARCH 2013 - FAGAN							
Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat	Sun	AVOID GREEN & ROOT VEGETABLES Date:
Maha: 1 To 11 March Fagan: 12 To 31 March				1 Vad Choth	2 Vad Pancham	3 Vad Chhath	2 5 8 10 13 16 20 23 ! 26 29 31 AVOID ROOT VEGETABLES Date: 3 4 6 9 11 14 15 24 25 27 30
4 Vad Satam	5 Vad Aatham	6 Vad Nom	7 Vad Dasam	8 Vad Agiyaras /Baras	9 Vad Teras	10 Vad Chaudas	JAIN FESTIVAL Date: 25-Siddhachal Chhagau Yatra 26-Chaumasi Chaudas 27-Poonam (Bhav Siddhachal Yatra) AUSPICIOUS DAY Date: 03-Suparshvanath Kevalgnan Kalyanak 04-Suparshvanath Nirvan Kalyanak 04-Chandraprabha Kevalgnan Kalyanak 06-Suvidhinath Chavan Kalyanak 08-Adinath Kevalgnan Kalyanak 08-Shreyansanath Janma Kalyanak 08-Shreyansanath Janma Kalyanak 09-Shreyansanath Diksha Kalyanak 10-Vasupujya Janma Kalyanak 11-Vasupujya Diksha Kalyanak 11-Vasupujya Diksha Kalyanak 12-Aranath Chavan Kalyanak 13-Aranath Chavan Kalyanak 14-20 Viharmans Bhagwans Diksha Kalyanak 14-20 Viharmans Bhagwans Diksha Kalyanak 24-Mallinath Chavan Kalyanak 24-Mallinath Nirvan Kalyanak 24-Munisuvrata Diksha Kalyanak 30-Parshvanath Chavan & Kevalgnan Kalyanak 31 - Chandraprabhu Chavan Kalyanak
11 Vad Amas	12 Sud Ekam	13 Sud Bij	14 Sud Trij	15 Sud <i>C</i> hoth	16 Sud Pancham	17 Sud Chhath	
18 Sud Chhath	19 Sud Satam	20 Sud Aatham	21 Sud Nom	22 Sud Dasam	23 Sud Agiyaras	24 Sud Baras	
25 Sud Teras	26 Sud Chaudas	27 Sud Poonam	28 Vad Ekam	29 Vad Bij	30 Vad Trij/ <i>C</i> hoth	31 Vad Pancham	

DISCLAIMER - Although AHIMSA TIMES NEWS uses its best efforts to ensure the accuracy of the content on the site, sometimes, errors, mistakes or inaccuracies may creep in inadvertently. We make no guarantees as to the accuracy, correctness or reliability of the contents. We may also change the content of this site, at any time, without prior notice. In no event shall Ahimsa Times be liable to anyone for any damages of any kind arising out of or in connection with the use of this service. You agree to indemnify and hold Ahimsa Times in harmless from any and all claims, liabilities, damages, costs and expenses including lawyer's fees, arising from any use of any information from this. We also request all over readers to inform us of any inaccuracies, omissions and errors etc. noticed by them so that necessary corrections can be timely incorporated.

WE HEARTILY WELCOME FOLLOWING NEW MEMBERS WHO HAVE JOINED WWW.JAINSAMAJ.ORG DURING THE MONTH OF MARCH 2013

- 1. Rakesh Kumar Khindawat, Swetambar, Indore, Madhya Pradesh, Marketing
- 2. Girish Saraff, Digambar, Bhiwandi, Maharashtra, Industrialist
- 3. Vivek Golecha, Swetambar, Pune, Maharashtra, Business
- 4. Parag Boghani, Swetambar, Mumbai, Maharashtra, Business
- 5. Akshay Karnawat, Swetambar, Yavatmal, Maharashtra, Law
- 6. Rajesh Palrecha, Swetambar, Hubli, Karnataka, Business
- 7. Vinod Kumar Jain, Digambar, Durg, Chhattishgarh, Consultancy

- 8. Prabh Singh, Digambar, Chattarpur, Delhi, Arts
- 9. Manoj Gandhi, Digambar, Pune, Maharashtra, I.T.
- 10. Anil Kumar Patil, Digambar, Sangli, Maharashtra, Service
- 11. Manoj Kumar Sethia, Swetambar, Bikaner, Rajasthan, Business
- 12. Vinod Kumar Jain, Digambar, Etawah, Uttar Pradesh, Business
- 13. Manish Khasqiwala, Digambar, Pune, Maharashtra, Management
- 14. Himanshu Vakil, Swetambar, Surat, Gujarat, Engineer
- 15. Nirmal Kumar Dhariwal, Swetambar, Arakonam, Tamil Nadu, Business
- 16. Ankish Jain, Digambar, Fl, USA, I.T
- 17. Ashish Gadiya, Digambar, Ajmer, Rajasthan, Business
- 18. Prithvi Baid, Swetambar, Shahdara, Delhi, Others
- 19. Sanket Doshi, Digambar, Mumbai Malad East, Maharashtra, Business
- 20. Kamal Doshi, Digambar, Tiwan, China, Business
- 21. Chetan Doshi, Digambar, Mumbai, Maharashtra, Business
- 22. Pravin Chandra Doshi, Digambar, Mumbai, Maharashtra, Retired
- 23. Rakesh Jain, Swetambar, Nasirabad, Rajasthan, Business
- 24. Dileep Kumar Jain, Digambar, Jaipur, Rajasthan, Consultancy
- 25. Jinendra Kumar Khicha, Swetambar, Mumbai, Maharashtra, Business
- 26. Mahender Kumar Pitaliya, Swetambar, Hyderabad, Andhara Pradesh, Business
- 27. Praveen Jain, Swetambar, Pune, Maharashtara, Marketing
- 28. Ashok Kumar Jain, Digambar, Nasirabad, Rajasthan, Law
- 29. Krutika Khandare, Digambar, Amravati, Maharashtra, Engineer
- 30. Prashant Jain, Digambar, Amravati, Maharashtra, Engineer
- 31. Shital Shah, Swetambar, Kurundwad, Maharashtra, Others
- 32. Naresh Jain, Swetambar, Thane, Maharashtra, Engineer
- 33. Anand Kumar Jain, Digambar, Gurgaon, Haryana, Marketing
- 34. Rishabh Kumar Jain, Digambar, Agra, Uttar Pradesh, Student
- 35. Sukant Jain, Swetambar, Gurgaon, Haryana, Engineer
- 36. Prashant Jain, Swetambar, Ghazibaad, Uttar Pardesh, Engineer
- 37. P. C. Jain, Digambar, Sadh Nagar, Delhi, Finance
- 38. Kamal Bhandari, Swetambar, Jodhpur, Rajasthan, Socialwork
- 39. Sumat Prakash Jain, Digambar, Jaipur, Rajasthan, Engineer
- 40. Gaurav Jain, Digambar, Alwar, Rajasthan, Government
- 41. Ashish Jain, Swetambar, Barisadri, Rajasthan, Business
- 42. Bhoor Chand Shrishrimal, Swetambar, Barmer, Rajasthan, Service
- 43. Ratan Sain Jain, Digambar, Agra, Uttar Pardesh, Academics
- 44. Vijay Kumar Kasliwal, Digambar, Indore, Madhya Pradesh, Retired
- 45. Deepak Bhandari, Swetambar, Ahmednagar, Maharashtra, Business

Place request to add your free listing in World's largest Jain Directory on www.jainsamaj.org ENTRY FORM

Matrimonial Candidates

This Matrimonial Service is free for all Jain candidates

Click Online Individual Profile or Visit www.jainsamaj.org "Matrimonial Section" for details



BRIDES

- 1. Akanksha Jain, 23, Swetamber, Ujjain, Madhya Pradesh, Business
- 2. Pragati Jain, 26, Digamber, Mumbai, Maharashtra, Engineering
- 3. Suhani Jain, 23, Digamber, Jaipur, Rajasthan, Computer
- 4. Prerna Sancheti, 25, Swetamber, Jabalpur, Madhya Pradesh, Computer
- 5. Bhavya Lodha, 29, Swetamber, Kota, Rajasthan, Others
- 6. Surbhi Jain, 22, Digamber, Ghaziabad, Uttar Pradesh, Others
- 7. Shradha Jain, 28, Swetamber, Chittorgarh, Rajasthan, Computer
- 8. Megha Oswal, 26, Swetamber, Pune, Maharashtra, Computer
- 9. Ankita Jain, 23, Digamber, Korba, Chhattisgarh, Engineering
- 10. Dipti Jain, 27, Digamber, Mumbai, Maharashtra, Others



GOOMS

- 1. Ankur Deep Jain,27, Digamber, Korba, Chhattisgarh, Others
- 2. Rajesh Kumar Dhoka, 29, Swetamber, Raichur, Karnataka, Business
- 3. Rahul Jain, 26, Digamber, Faizabad, Uttar Pradesh, Engineering
- 4. Swapnil Mehta, 29, Swetamber, Ujjain, Madhya Pradesh, Medicine
- 5. Dr. Abhishek, 37, Swetamber, Ganj Basoda, Madhya Pradesh, Medicine
- 6. Gaurav Jain, 31, Digamber, Lucknow, Uttar Pradesh, Service
- 7. Anshita Jain, 27, Digamber, Kota, Rajasthan, Service
- 8. Puneet Jain, 31, Digamber, Ghaziabad, Uttar Pradesh, Industry
- 9. Deepak Kumar Choraria, 31, Swetamber, Chattarpur, Delhi, Service
- 10. Amit Jain, 35, Digamber, Dehradun, Uttarakhand, Business
- 11. Suneet Jain, 29, Swetamber, West Azad Nagar, Delhi, Business
- 12. Aman Kumar Jain, 32, Swetamber, Samana, Punjab, Business
- 13. Pinal Kumar Bavisi, 43, Swetamber, Godhra, Gujarat, Business
- 14. Vikas Jain, 34, Digamber, Baraut, Uttar Pradesh, Business
- 15. Abhishek Jain, 34, Digamber , Lucknow, Uttar Pradesh, Others
- 16. Abhishek Kumar Jain ,28,Digamber,Burhanpur,Madhya Pradesh,Computer
- 17. Vivek Jain, 36, Digamber, Kota, Rajasthan, Engineering
- 18. Chanky Bafna, 26, Swetamber, Udaipur, Rajasthan, Business
- 19. Kundan Raka, 28, Swetamber, Aurangabad, Maharashtra, Business
- 20. Siddharth Surana, 29, Swetamber, Chhindwada, Madhya Pradesh, Business
- 21. Mayur Kahate, 31, Digamber, Wardha, Maharashtra, Medicine

ENTRY FORM

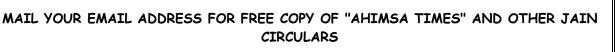
JAIN BUSINESS DIRECTORY -WELCOME TO NEW MEMBERS - MARCH, 2013

- 1. Allen Cooper Shop, Valsad, Gujarat, Services
- 2. Jaidurga Photo Studio, Banglore, Karnatka, Video/Films
- 3. Ayush Marketing, Jaipur, Rajasthan, Property
- 4. Life Coach-India, Ahmedabad, Gujarat, Education

- 5. Property Linker, Gurgaon, Haryana, Real Estate
- 6. Jain Star, Bhayandar West, Maharashtra, Publications
- 7. Nakoda Elec \$ Hardwa, Thane(W), Maharsahtra, Chemicals
- 8. U. K. Homes, Mumbai, Maharashtra, Real Estate
- 9. Suraj Mal Shanti Lal, Neemuch, Madhya Pradesh, Exporters/Importers
- 10. K. K. S. & Co., Chennai, Tamilnadu, Chartered Accountants



Advertisement Tariff - " AHIMSA TIMES"





REQUEST TO READERS

If you find any inconsistencies or errors in Ahimsa Times, please do inform so that we can affect corrections.

Editor

- Ahimsa Foundation -

Delhi Office: 21, Skipper House, 9, Pusa Road, New Delhi - 5, India

Phones: +91-11-2875-4012 & 13, 98-100-46108, E-Mail ahimsa@jainsamaj.org

Jodhpur Office: 44, Sardar Club Scheme, Air Force Area, Jodhpur, Rajasthan, India

Phone: +91-291-267-0382, E-Mail:ahimsatimes@jainsamaj.org